



सतपुड़ा एकीकृत ग्रामीण विकास संस्था (सिरडी)

वार्षिक रिव्यु 2023 - 2024

कार्यकारिणी एवं साधारण सभा बैठक

दिनांक 19.10.2024

**“भूख अज्ञान बीमारी के विरुद्ध  
अभियान”**

“उस ज्ञान का कोई लाभ नहीं, जो समाज के हित में न हो, जहाँ तक हम देख सकते हैं, वहाँ तक हम जानने की कोशिश करेंगे. क्योंकि तभी तो हम आगे बढ़ेंगे, ज्यादा से ज्यादा लोगों से जुड़ेंगे.

2015 से 2020 तक व 2021 से 2025 तक 2 पंचवर्षीय योजना में हमने महिला सशक्तिकरण के विभिन्न अयामों को दृष्टिगत रखते हुये नीतियाँ बनाना व उन नीतियों के आधार पर भविष्य की रणनीति तय करके ध्येय समूह बनाये व काम किया.

## जिसमें -

- ▶ चुनी हुई महिला जनप्रतिनिधि एवं पंचायती राज
- ▶ ग्राम सभा एवं महिलाओं की समान भागीदारी
- ▶ महिलायें एक भविष्य के नेता के रूप में
- ▶ महिलायें एवं ग्राम स्तरीय सामाजिक कार्यकर्ता
- ▶ महिला किसान एवं पारम्परिक एवं जैविक खेती

- ▶ महिलाये स्वयं सहायता समूह (SHG) के रूप में,
- ▶ महिलाये किशोरावस्था एवं युवावस्था में
- ▶ महिला स्वास्थ्य, पोषण एवं व्यक्तिगत स्वच्छता
- ▶ महिलाये व तकनीकी निपुणता व कौशल विकास
- ▶ महिलायें पंचायत एवं ग्राम स्तर पर प्रथम पंक्ति की कार्यकर्तायें
- ▶ महिलायें व पंचायत स्तर की विभिन्न समिति की पदाधिकारी/सदस्य के रूप में.



- संस्था स्थापना के समय से ही अर्थात् प्रारंभ से उपरोक्त कार्यों पर केंद्रित रही है पर पिछले 8 वर्षों में हम बहुत स्पष्टता से महिला केंद्रित कार्यों को संपादित कर रहे हैं.
- ये कार्यक्रम सुव्यवस्थित रूप से संपादित हो सकें उसके लिए पिछले 3 वर्षों से “सुधा संगिनी” परियोजना जो संस्था के वरिष्ठ कार्यकारिणी सदस्य श्री योगेश येडंले जी के सहयोग से संचालित है के तत्वाधान में कर रहे हैं.

कुछ अन्य संस्थायें व संगठन उनके सहयोग से भी बहुत से जो तकनीकी सहयोग या सेवा के रूप में हमें सहयोग करते हैं कार्यक्रम चलायें जा रहे हैं.

- कुछ छोटी मदद व कार्य संस्था कई अन्य लोगों के सहयोग व उनके द्वारा प्रदत्त सेवाओं द्वारा भी करते हैं
- बड़ा साधन हमने जो पारंपरिक व जैविक खेती में जो अभियान चलाया है व उससे जो माहिरता हासिल की है उसमें उत्पादन बेचकर व तकनीकी सेवायें देकर संस्था को आर्थिक रूप से सुदृढ़ करते हैं.
- संस्था के परिसरों में विभिन्न गतिविधियां समय-समय पर आयोजित करके हम संस्था को मजबूत करने का प्रयास कर रहे हैं जिससे परिसर को व्यवस्थित करने में मदद मिल जाती है.



vivo Y22 · SOOT BY Shubham sahu



vivo Y22 · SOOT BY Shubham sahu



# “सुधा संगिनी” परियोजना

यह परियोजना पूर्ण रूप से महिला केंद्रित है इस परियोजना में -

- ▶ हम पोषण एवं स्वास्थ्य जिसमें महिला किसान रुचि समूह के साथ
- ▶ पारंपरिक एवं जैविक खेती
- ▶ जैविक पोषण वाटिका
- ▶ जैविक सेहत बाग
- ▶ बाल्यावस्था व महिला स्वास्थ्य पर नियमित ऑनलाइन मार्गदर्शन व स्वास्थ्य कैम्पों का आयोजन करना.
- ▶ पारम्परिक वैद्यों व घरेलू ओषधीय को प्रयोग में बढ़ावा देना छोटी मोटी बिमारियों में



ग्राम स्तरीय/पंचायत स्तरीय संगठनों का गठन करवाना , उनकी क्षमता विकास व ग्राम विकास कार्यों से उन्हें जोड़ना ये संगठन निम्नानुसार है -

- ▶ बाल संसद,
- ▶ तरुणी क्लब,
- ▶ युवा संगठन,
- ▶ अजीविका महिला संगठन
- ▶ जल एवं स्वच्छता समिति एवं अन्य ग्रामीण स्तरीय संगठन



# महिला सशक्तिकरण संस्था द्वारा तय 14 ध्येय समूहों के साथ सीधे उनकी क्षमता बढ़ाने हेतु कार्य करना



## सतपुड़ा एकीकृत ग्रामीण विकास संस्था (सिरडी) स्थायी विकास की और महिला सशक्तिकरण फोकस कार्य बिंदु **14 ध्येय समूह**

1. पंचायती राज में चुने हुये महिला जनप्रतिनिधियों का सशक्तिकरण।
2. ग्राम सभा में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाना।
3. नेतृत्व क्षमता बढ़ा कर महिलाओं को भविष्य की नेता के रूप में तैयार करना।
4. एकल महिलाओं को संगठित कर उन्हें सामाजिक, आर्थिक व कानूनी रूप से मदद करना।
5. जल एवं स्वच्छता उप समिति में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाना उनकी भूमिका सुनिश्चित करना।
6. मनरेगा परियोजना को महिलाओं के लिये सुगम बनाना।
7. आजीविका मिशन में महिला सहभाग और सक्रियता बढ़ाना।
8. अन्य स्वयं सहायता समूह एवं मध्याह्न भोजन व पोषण आहार।
9. स्वास्थ्य, पोषण एवं स्वच्छता कार्यक्रम व महिलायें।
10. किशोरी बालिकायें, स्वास्थ्य, पोषण स्वच्छता व शैक्षणिक कार्यक्रम।
11. युवा महिला संगठन व ग्राम विकास में उनकी भूमिका।
12. किशोरी/युवा महिलायें व कौशल विकास व अजीविका कार्यक्रम।
13. पशु पालक एक महिला किसान के रूप में।
14. ग्राम/ग्राम पंचायत स्तरीय महिला प्रथम पंक्ति कार्यकर्ताओं को एक मंच पर लाना।



Mission Samridhi  
SOCIAL IMPACT ENTERPRISE



AI CAMERA  
Shot by narzo 50i

2024/04/29 13:49



vivo Y22 - SOOT BY Shubham sahu



OPPO A9 2020



## पंचायती राज में :- पंचायत में महिलाओं की हर स्तर पर 50% तक भागीदारी सुनिश्चित करना

- ▶ ग्राम सभा की शक्ति व महत्व को समझना व महिलाओं की भागीदारी बढ़ाना,
- ▶ पंचायती राज संविधान व उसमें दिये हुये प्रावधानों को जानना,
- ▶ चुने हुये प्रतिनिधियों विशेष कर महिलाओं की क्षमता बढ़ाना,
- ▶ भविष्य के नेता (फ्यूचर लीडर) के रूप में महिलाओं को तैयार करना,
- ▶ तकनीकी क्षमता विकास, कोशल विकास बढ़ाना व अजीविका के साधन बढ़ाना, महिलाओं के विशेष संदर्भ में,
- ▶ तकनीकों के माध्यम से महिला आधारित योजनाओं में मदद करना,
- ▶ एकल महिला, अति गरीब व जरूरत मंद परिवारों को सीधे मदद करना.
- ▶ ग्राम पंचायत विकास योजना (GPDP) की प्रक्रिया द्वारा ग्राम पंचायत का प्लान एवं बजट तैयार करवाने में मदद करना.



करंजा बहिराम, महाराष्ट्र, भारत



Latitude: 21.660129  
Longitude: 78.167556  
Elevation: 681.84±10 m  
Accuracy: 15.0 m  
Time: 26-03-2024 16:19  
Note: अनीता deshमुख



# वर्तमान में “सुधा संगिनी” परियोजना सिरडी संस्था द्वारा निम्न अनुसार पंचायतों व गांवों में कार्य किया जा रहा है

क्र.	राज्य	विकास खण्ड	ग्राम पंचायत	ग्राम	कुल H.H	कुल जनसंख्या
1	मध्यप्रदेश	आठनेर	22	51	10263	47536
		भैसदेही,	14	37	2520	19223
2	महाराष्ट्र	चांदूरबाजार	24	33	11569	45182
कुल	2	3	58	121	24,352	111,941

महिला किसान रुचि समूह (FIG) वर्तमान में हम प्रमुख रूप से ग्राम पंचायत में सीधे वार्ड स्तर पर कार्य कर रहे हैं जिसमें हर वार्ड में एक “महिला किसान रुचि” समूह है इस समय “सुधा संगिनी” कार्यक्रम से 3,620 महिलाये सीधे जुड़ी है जो पारंपरिक एवं जैविक खेती, जैविक पोषण वाटिका व जैविक सेहत भाग पर काम कर रही है.

## संस्था ने इस वर्ष तीनों विकास खण्डों में निम्न निम्नानुसार एकल महिलाओं को सहयोग किया

क्र.	राज्य	विकास खण्ड	कुल एकल महिलायें
1	मध्यप्रदेश	आठनेर	576
		भैसदेही,	243
2	महाराष्ट्र	चांदूरबाजार	523
कुल	2	3	1,342

## स्वास्थ्य पोषण कार्यक्रम के तहत पिछले 1 वर्ष में हमने -

- ▶ कैंसर रोकथाम शिविर महिलाओं के लिये - 2
- ▶ महिला स्वास्थ्य परीक्षण - 3
- ▶ दिव्यांग जांच शिविर तरुण भारत संघ के सहयोग से जिसमें 112 लोगों को मदद की गई
- ▶ आंख जांच प्रशिक्षण शिविर - 3
- ▶ किशोरी बालिकाओं के लिये स्वास्थ्य पोषण एवं व्यक्तिगत स्वच्छता पर प्रशिक्षण कार्यक्रम - 2 जिसमें दोनों बार में 106 बालिकाओं की क्षमता बढ़ायी
- ▶ डॉक्टर रूपल दलाल आईआईटी बॉम्बे की वीडियो कार्यक्रमों से 33 गांवों से गर्भवती, धात्री महिलायें व किशोरी बालिकाओं को जोड़कर 30 सत्रों में बाल्यावस्था व महिला स्वास्थ्य पर उपयोगी जानकारी उपलब्ध करवायी गयी



vivo Y22 · SOOT BY Shubham sahu

vivo Y22 · SOOT BY Shubham sahu

## पंचायती राज में महिला सशक्तिकरण के तहत -

- ▶ चुनी हुई महिला पंच, सरपंचों के लिये दो सत्र साढ़े तीन दिवसीय आयोजित किये गये जिसमें 68 महिलाओं को प्रशिक्षित किया गया
- ▶ 2 सत्र भविष्य की नेताओं के लिये आयोजित किये गये जिसमें 74 महिला (फ्यूचर लीडर) की क्षमता बढ़ाई गई व उनके साथ पिछले 1 वर्ष से फॉलोअप कार्यक्रम चलाये जा रहे हैं.
- ▶ ग्राम सभा में महिलाओं का सशक्तिकरण पंचायत एवं ग्राम स्तर के विभिन्न संगठनों, समूहों के साथ नियमित तय अंतराल के साथ बैठक करना व उनकी समस्याओं को सुलझाना व तय नियम व शर्तों में कैसे काम करना व करवाना उसके लिए चर्चा सत्रों के माध्यम से उन्हें जानकार बनाने का कार्य निरंतर किया जा रहा है.

ये समूह -

- ▶ पालक शिक्षक संघ
- ▶ उपभोक्ता समूह (नल जल योजना)
- ▶ पंचायत स्तर पर जल एवं स्वच्छता समिति (WASH)
- ▶ स्वयं सहायता समूह (SHG)
- ▶ मनरेगा मजदूर महिलाओं का समूह
- ▶ किसान महिलाओं के समूह (FIG)
- ▶ युवा संगठन
- ▶ तरुणी क्लब
- ▶ बाल संसद इत्यादि

## महिलाओं को तकनीकी प्रशिक्षण -

- ▶ जैविक खेती में बायोडायनामिक कृषि पद्धति पर क्षमता विकास - 3620 महिलायें
- ▶ जैविक पोषण वाटिका निर्माण प्रशिक्षण सहायक ट्रस्ट के साथ सभी संस्था कार्यकर्ता एवं आंगनबाड़ी व स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को
- ▶ सहायक ट्रस्ट के साथ कार्यकर्ताओं को अनीमिया मुक्त ग्राम बनाने हेतु ट्रेनर ऑफ ट्रेनिंग (TOT)
- ▶ सभी गांवों में जैविक सेहत बाग निर्माण क्षमता विकास ऑनलाइन कार्यकर्ताओं व आंगनबाड़ी व स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं के साथ
- ▶ तीन समन्वयकों की ग्राम विकास पर NGO पाठशाला द्वारा TOT 3 माह का एक्शन प्लान ट्रेनिंग कार्यक्रम
- ▶ मिट्टी परीक्षण कार्यशाला कार्यकर्ताओं एवं महिला किसानों को
- ▶ पारंपरिक बीज संरक्षण कार्यशाला सभी महिला किसानों को पारंपरिक अनाज दालें सब्जियों के बीज संरक्षण
- ▶ महिलाओं को बिजली घरेलू उपकरण सुधार प्रशिक्षण, क्राफ्ट प्रशिक्षण, आदिवासी मांडना पेंटिंग प्रशिक्षण, प्लम्बर, हैंडपंप रख-रखाव प्रशिक्षण दिये गये हैं.



## जैविक खेती Organic Farming

- क्या है ?
- किसे कहते है ?
- क्यों है जरूरी ?
- शुरुआत कैसे करें ?
- होनेवाले फायदे

गोबर, गोमूत्र, जीवामृत, बीजामृत, पंचगव्य, नीमास्र, ब्रह्मास्र, वर्मी कंपोस्ट, जीव उर्वरक

देशी खेती, प्राकृतिक खेती, नेचुरल फार्मिंग, ओर्गेनिक फार्मिंग, जहर मुक्त खेती, गाय आधारित खेती



## अन्य कार्यक्रम -

- ▶ 4 महिला किसानों के खेत में स्वाइल मॉड्यूल मीटर मापक यंत्र लगाये गये जिससे खेत में कब सिंचाई करनी है, नहीं करनी है, मॉनिटरिंग किया जा सकता है. प्रतिदिन उसे मॉनिटरिंग किया जाता है.
- ▶ 5 स्वाइल टेस्टिंग किट दिये जिससे जमीन व गोबर, खाद की गुणवत्ता का पता लगाया जा सकता है.
- ▶ आयरन फोर्टीफाइड बाजरा 50 एकड़ भूमि में 50 FIG महिलाओं के साथ जैविक पद्धति से लगाये गये. उसकी फसल आनी बाकी है तो परिणाम के बारे में बहुत कुछ अभी से नहीं कहा जा सकता है.
- ▶ अनीमिया जांच शिविर स्वास्थ्य विभाग के साथ मिलकर किया.
- ▶ कृषि विभाग के साथ मिलकर मिट्टी परीक्षण व उन्नत बीज उपलब्ध करवाने हेतु कार्यक्रम चलाये जा रहे हैं.



**SIRDI/IRA शैक्षणिक कार्यक्रम** : सभी कार्यकर्ता को इंग्लिश बोली कार्यक्रम से जोड़ा गया जिससे 42 कार्यकर्ताओं ने पाठ्यक्रम पूरा कर प्रमाण पत्र प्राप्त किये इसमें बोलचाल की इंग्लिश बोलना व छोटे-छोटे सेंटेंस बनाना ऑनलाइन कार्यक्रम द्वारा पूरा किया गया. इंग्लिश लर्निंग कार्यक्रम : मध्य प्रदेश में 2 मिडिल स्कूल में व महाराष्ट्र में 1 स्कूल में यह ऑनलाइन कार्यक्रम किया गया. कार्यक्रम बहुत अच्छा था व बच्चे इसे बहुत अच्छे से पिकअप कर रहे थे पर सरकारी स्कूल के शिक्षकों के उदासीनता व असहयोग के कारण हम इसे पूर्ण नहीं कर पाये.

**वार्षिक उत्सव व ग्राम महोत्सव** :- “सुधा संगिनी” कार्यक्रम 3 वर्ष पहले 2 अक्टूबर को प्रारंभ किये गये थे तब से हर वर्ष एक से 3 अक्टूबर को हम “सुधा संगिनी” वार्षिक उत्सव का आयोजन करते हैं जिसमें पिछले वर्ष 3 ग्रामों में ग्रामोत्सव, बीज संरक्षण पर चर्चा सत्र “महिला किसान रुचि” समूह के साथ व अन्य कार्यक्रमों का आयोजन किया गया इस कार्यक्रम में विशेष उपस्थिति श्री योगेश एडंले, श्रीमती सुनीता मित्तल, श्री अजय मित्तल व श्री अजय कुमार IRA उपस्थित रहे. बीज संरक्षण पर तकनीकी जानकारी देने हेतु श्री अबीर बोरकर, भंडारा से आये व दो दिवसीय दो जगह चर्चा सत्र आयोजित किये जिसमें 319 महिलाये लाभान्वित है.



- ▶ नदी महोत्सव पिछले वर्ष की भांति भी इस वर्ष भी ताप्ती नदी के किनारे पारसडोह में मनाया गया जिसमें सभी पंचायतों से महिला, युवा, तरुण व बच्चे रहे वहां नदी किनारे सफाई अभियान, वृक्षारोपण, रैली व सांस्कृतिक कार्यक्रम किये गये व अच्छे संगठन समूहों व व्यक्तियों को सम्मानित भी किया गया.
- ▶ **मोबाइल पुस्तकालय** :- आठनेर विकास खंड के 6 गांवों में साइकिल मोबाइल पुस्तकालय की शुरुआत की गई जो प्रति सप्ताह में एक दिन तय समय पर उस गांव में जाती है. 15 मई से यह लाइब्रेरी नियत समय व दिन पर उस गांव में पहुंचती है. इस पुस्तकालय में शुरुआत में 200 पुस्तकें रखी गई हैं.



युवा श्रम साधक स्थापना दिवस कार्यक्रम प्रतिवर्ष संस्था के संस्थापक डॉक्टर देवेन्द्र कुमार शर्मा की स्मृति में युवाओं व बच्चों के लिये यह आयोजन किया जाता है. इसमें समर कैंप, खेलकूद प्रतियोगिता आयोजित की जाती है.



**धन्यवाद !**